

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 15] No.,15] नई विल्ली, सोमवार, जुलाई 30, 1984/आवण 8, 1906 NEW DELHI, MONDAY, JULY 30, 1984/SRAVANA 8, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Pact in order that it may be filed as a separate compilation

भायकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269 घ [1] के अधीन सुचना

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, 23जुलाई, 1984

निर्देश नं. ए-10/84-85:— प्रतः मुझे जे० पी० हिलारी, धायकर प्रिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमके पश्चात् अना प्रधिन्तयम) कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन संज्ञम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000 रु०से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० 5385 है तथा जो मथुरा में स्थित है (प्रौर इससे उपावद्ध प्रमुन्ती में प्रोर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-10-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रस्तरक

(मन्तरको) मौर मन्तरिती (म्रन्तरियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्यों से युक्त मन्तरण, लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) झन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर रेने के प्रशासक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी श्रत या प्रस्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राप्तकर श्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या श्राप्तकर श्रश्चितियम, 1961 (1911 का 43) या । बर श्रिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाताय श्राप्तितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रत श्रम उक्त मिश्रितियम की धान 269 ग के मनुसरण में, मैं उक्त मिश्रितियम की धारा 269 घ को उन धारा (1) के प्रधीन, निम्नलिथित व्यक्तियों मर्थात् —

श्रोमती उमा गोस्तामी, पत्नी (मन्तरक)
 भ्री सुरेश लख्द गोस्तामी
 क्रीम्पयर नगर, मथुरा एव मन्य लोग

- 2. श्री नारायन हरी गुप्ता, पृष्ठ (भ्रम्तरिनी) ृक्षी राम वयाल गृत्ता, नि० गऊघाट, मध ग
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी धन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके धमिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करहे पूर्विक्त करणिए के प्रकृष के लिए कार्यवाहियां

- शहर करता हूं। उनत समाति के अपने के साम में कोई भी प्राक्षपः —

 (फ) इस मूचना की र्रोजपल कि प्रतिस्था में कोई भी प्राक्षपः —

 (फ) इस मूचना की र्रोजपल कि प्रतिस्था पर सूचना की तामील से

 30 की प्रविधि जो भी प्रमुखी बाद में समान्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त स्प्रतिस्था के से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनजड़ किसी प्रस्य व्यक्ति डारा बन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे [']।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में , परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

ग्रन्युषी

एक किला जमीन वाके हैम्पियर नगर, मथरा।

तारीख: 23-7-84

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए।)

Notice Under Section 269 D (1) of the incometax Act, 1961 (43 of 1961)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Kanpur

Kanpur 23rd. July, 1984

Ref. No. A-10|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing number as per schedule situated as per (and more fully described in the schedule schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 4-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, $19\overline{2}2$ (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Shrimati Uma Goswami, woo Sh. Suresh Chandra Goswami, Dampier Nagar, Mathura and others. (Transferor)
- 2. Shri Narayan Hari Gupta, Slo. Shri Ram Dayal Gupta, Ro. Gau Ghat, Mathura. (Transferee)
- 3. Shri Narayan Hari Gupta, So Shri Ram Dayal Gupta, Rlo. Gau Ghat, Mathura (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Dampier Nagar, Mathura.

Date: 23-7-84

Seal:

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त प्रधि-निथम कहा गया है) की धारा 269 ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उबित बाजार मूल्य 25,000/- से ग्रधिक है भीर जिसकी बंo 2416/83 है तथा जो धागरा में स्थित है (धीर इससे उपाबक्क अनुभूची में धोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फेनेहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए प्रानिरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूर्व्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत के परदह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरियों) के बीच ऐसे भन्तरण

के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रस्तरण, लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, श्रायकर श्रिधितियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन क्र देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीप/या
- (छ) ऐसे किसी भाष या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) या श्रन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भता प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुमरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घुकी उप धारा (1) के प्रधीन, निम्न-निश्चित व्यक्तियों प्रयोत् :---

- श्री चिरंजी लाल व वेदी राम, (ग्रन्नरका)
 पुत्रगण, श्री ख्या राम, नि. गढ़ी,
 गाना उच्याम-पट्टी म्जपफर पूर, फनेहाझाद (ग्रागरा)
- 2 श्री राम लक्षित, पुत्र राम त्याल (श्रन्-िर्ता) ति. गढ़ी थाना, उप० पट्टी मृजनकरपुर, पर. फतेहाबाद, जि. श्रागरा .
- श्री/श्रीमती/कुमारी श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके भिधनोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी व से 45 दिन की प्रविध, या प्रत्मस्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा !
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दात कियी घन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा नहेंगे।
- स्पट्टीकरण :-- इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर गदा का, जा आयकर अधि नियम; 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भवें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

माराजी वाके मौजा पट्टी मुजयफरपुर, ग्रागरा

सारीख: 23-7-84

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. A-15|84-85.—Whereas I, J. P. Hilorl being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said (Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing number as per schedule situated as per schedule (and more fully described in the schedule annexed • hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehabad on

22-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Chiranji Lal & Ved Ram, Sons of Sri Daya Ram, R|o Garhi Thana, Sub Vill-Patti Muzaffarpur, Fatehabad Distt. Agra. (Transferor)
- 2. Shri Ram Lachhin, So Sri Ram Dayal, Ro Garhi Thana, Sub Vill. Patti Muzaffarpur, Parg-Fatehabad, Distt. Agra

(Transferee)

 Shri Ram Lachhin, Soo. Sri Ram Dayal, Roo. Garhi Thana, Sub Vill. Patti Muzaffarpur, Parg-Fatehabad, Distt. Agra.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Aarazi at Mauja Patti Muzaffarpur Agra.

Date: 23-7-1984

Seal ·

Hilori

निवेश मं. ए-16/84-85.--- झत मुझे जे. पी हिलोरी, झायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उकत ग्रधि-नियम' कहा गया है) की धारा 2.69 सा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं 5683 है तथा जो राजपुर, मथुरा में स्थित है (और इसने उपावद्ध श्रन्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्रय मधुरा में, रजिस्ट्रीकरण मिमिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 13-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दूश्य-मान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है ग्रीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रम्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिक्षी (प्रक्तिरयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, भावकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुशिधा के लिए भौर/या
- (चा) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ष्मायकर षाधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रानरिती बाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

भत. भव उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के धनसरण में, मै उक्त मधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निस्तनिखित व्यक्तियों भर्यात् :--

- 1. श्री मदन लाल चौधरी, सचिव (भन्तरक) पंचायती धर्मशाला, मृत्वावन
- 2. बल्लभ मेमोरियल दूस्ट, द्वारा (अन्तरिती) श्री इन्द्रिकान्स जीकम लाव पारेख, बल्लभ सदन, ग्राश्रम रोड, श्रहमवाबाद
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी पन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि, या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की भविभ, जो भी भविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपनितयों में से किसी व्यक्ति के द्वारा !
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- स्पष्टीकरण .-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उस मध्याय मे दिया गया है।

भनुमूची

द्याराजी वाके राजपुर

सारीख : 23784 मोहर (आ लाव म हो उसे काट दीजिए) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinalter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5683 situated at Rajpur, Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 5683 dated 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under

Ref. No. A-16|84-85.—Whereas I, J. P.

being the Competent Authority authorised by the

Central Government in this behalf under Section 269B

- the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (Transferor) Shri Madan Lal Chowdhry, Secy., Panchayati Gaushala, Brindaban and others.
- 2. Ballabh Memorial Trust (Transferee) Through Sri Indrikant Jikamlal, Parikh, Ballabh Sadan, Ashram Road, Ahmedabad.
- 3. Ballabh Memorial Trust, Through Sri Indrikant Jikamlal, Parikh, Ballabh Sadan, Ashram Road, Ahmedabad.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Aarazi at Rajpur.

Date: 23-7-84.

Seal:

†Strike off where not applicable

निवेश नं. ए-17/84-85:--अत: मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 22734 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अग्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों मे युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री दुम्हा व कालीचरन, पृत्न श्री प्यारे लाल, मौ. ककरेठा, तह. व जि. आगरा (अन्तरक)

 भाग्य नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि., द्वारा श्री मुन्ना सिंह सिवत, नि. कच्ची सराय ताजगज, आगरा । (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन

की अवधि, जो भी अर्पाब बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्टीकरण :-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत नम्बर 83 वाके मौजा ककरेठा, स. व जि आगरा

तारीख : 23/7/84

मोहर:

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)

Rcf. No. A-17/84-85.—Whereas I. J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

S|Shri Tunda & Kalicharan,
 Sons of Sh. Pyare Lal,
 Mauja-Kakretha.
 Teh. & Distt. Agra.

(Transferor)

 Bhagya Nagar Sahkari Grah, Nirman Samiti Ltd., Through Sri Munna Singh, Secy., Rjo Kachi Sarai Tajganj. Agra. (Transferee) 3. Bhagya Nagar Sahkari Grah,
Nirman Samiti Ltd.,
Through Sri Munna Singh, Secy.,
R|o Kachi Sarai Tajganj, Agra.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land No. 83 at Mauja-Kakretha, Teh. & Distt. Agra.

Date: 23-7-84.

Scal : ·

+Strike off where not applicable.

निवेण नं० ए-1687/83-84:—अत मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 263ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी संख्या 8079 है तथा जो अलीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय अलीगढ़ में, रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय अलीगढ़ में, रजिस्टीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख़ 7-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्मरक के वायित्व मे कभी करने या उससे बच्चने में मुक्षिया के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारगीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अबीन , निम्न-लिखिन व्यक्तियों अर्थान् :--

- श्री ईम्बर वास पुत्र श्री जय दयाल अरोरा
 नि. खाईडोरा
 अलीगढ़ (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुधा वार्षतेय पत्नी श्री विजय प्रकाण वार्षतेय ,नि. सराय बाग्ह सैनी णहर अलीगढ़ (अन्सरिती)
- श्री /श्रीमती/कुमारी केता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में, सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां णुढ़ करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ंच

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों पर और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अन्मुची

मकान स्थित खाई डोरा अलीगढ़

तारीख : 24-7-84

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. A-1687 KNP 83-84.—Whereas I, J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason. ot believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8079 situated at Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 8079 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Ishwar Das S|o. Shri Jai Dayal Arora R|o. Khai Dora Aligarh (UP.)

(Transferor)

- Smt. Sudha Varshney Wo Shri Vijay Prakash Varshney Ro. Sarai Barshseni, Aligarh. (Transferee)
- 3. Shri Smt. ransferee (person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Khaidora, Aligarh

Date: 24-7-1984.

Seal:

†Strike off where not applicable

क(नपर, 26 जमाई, 1984

निर्देश न. ए-1750/कं एन पी/९3-84.—अनः मुझे ज. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 26 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. —है तथा जो मोठ सहगल पुरा मथुरा में रियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के प्रार्थित मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 19-9-83 का प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कण्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यकान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के परद्वह प्रतिगत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए

तप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्यो से गुनन अन्तरण, लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियो को जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अय उक्त अधिनियम का धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधान, निम्निकालक ध्यक्तियों अर्थान, ---

- 2- श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री श्रीनियामणी नि. नाकी गली भणुरा (अन्तरिसी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि, तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नाणील 30 दिने की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस मूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमे प्रयुक्त मर्ब्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषिस है, वहीं अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमृची

मकान मोठ, सहगल पुरा, मधुरा

नारीख 26-7-84

मोहर

(जो लागू न हा उसे काट दीजिए)।

Kanpur, 26th July, 1984

Ref. No. A 1750|KNP|83-84.—Whereas, I J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No....... situated at Moth Saghal Pura Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura the said Act read with rule 48DD of Income-tax rules, 1962 under Registeration No. 5140 dated 19-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has, not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Bhagwan Devi Wo. Ramcharan Das Ro. Mohall Sahgalpura, Mathura.

(Transferor)

2. Laxmi Devi Wo Shri Shri Nivas J1 Ro. Wakigali Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House property Resident of Moth Sahgalpura Mathura.

Date 26-7-84

Seal

†Strike off where not applicable

निदेश नं 41754 के एन पी/83-84:- प्रतः ससे जे० पी० हिलोरी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 में घधिक है भीर जिसकी सं० 9856 है तथा जो घलीगढ़ में स्थित है (धीर इससे उपायद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्टीकर्ता घिकारी के कार्यांत्र घलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रषीम तारीच 11-10-83 को

पूर्वोक्त सम्पति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरित (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्यों से युक्त अन्तरण, लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीत कर देते के प्रकारक के वायित्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए भौर या
- (ख) ऐसे, किसी घाय या किसी धन या ध्रन्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1522 का 11) या आयकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर घिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं घन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए

म्रतः मन उन्त मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के मधीन, निम्निजित व्यक्तियों मर्यात:—

- श्री ग्रब्दुल हफंज भ्रब्दुल रक्षफ एव भ्रन्य मुहल्ला चाहगर माया,
 भलीगढ (अस्तरक)
 - 2. श्री संजय कमार जैन प्राणोक कवार जैन निवासी छिपट्टी प्रालीगढ़ (अभ्यरितः)
- 3. श्री/श्रीमती/कृमारी अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके भ्रष्ठिभोग में. सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हू। उक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 दिन की भ्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अंकिष्ठ बाद मैं समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्थिल में हितबह किसी अन्य व्यक्ति हार। श्रधी-हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदी का, जो भागकर मधिनिमम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20 क में परिभाधित है, बही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

ग्रनुपूर्याः-

वुकास चौराहा अब्दल करीम अलीगढ़

तारीखाः 23/7/84

मोहरः

(ओ लागून हो उसे काट बीजिए)

Ref. No. A-1754|KNP|83|84.—Whereas, I J. P. Hilori, being the Competent Authority under section 269-B of the Incometax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Kanpur on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trucky stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- S|Shri Abdul Hafiz Abdul Rauf & others Mohalla Chaharmaya, Aligarh (Transferor)
- S|Shri Sanjay Kumar Jain
 S|o. Sri Ashok Kumar Jain,
 R|o. Chhipetty, Aligarh. (Transferee)
- S|Shri Sanjay Kumar Jain
 So. Sri Ashok Kumar Jain,
 R|o. Chhipetty, Aligarh. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquis io_n of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Chauraha Abdul Karim Aligarh., Date: 23-7-84.

Seal:

निवेण गं० ए-1814/83-84:— ग्रतः मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर मिंधिनियम, 1961 (1961का 43) जिसे इसके पश्चात् (उक्त मिंधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उकिन बाजार 570 GI/84—2

मूल्य 100,000/- से प्रधिक है भौर जिसकी स॰ 22763 है तथा जो जागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुभूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय धागरा में, राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 10-10-83 को पूर्वोक्षन मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण में कि यशार्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरिनयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उदेश्यों से मुक्त अन्तरण, निखित में बास्चिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी त्राय की बाबल, प्रायकर ऋषितिवम, 1961 (1961 का 43) के मधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रज्ञारित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः भव उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में , मैं उक्त प्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो प्रार्थातु:—

- 1. कु॰ पाल व पूर्गावास पुत्र क्याली राम, नि॰ नगला हवेली, मौजा जगन पुर, जिला आगरा (अस्तरक)
- 2. एलोरा सहकारी, घानान समिति चर्चिय मुनील चन्द्र गर्ग, नि॰ श्रीम मुजफ्फर खान, श्रागरा (अन्तरिता)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी धन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रीक्षभोग मैं सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिख कार्यवाहियां भुक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिन की अशिक्ष या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन कि प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (च) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परटीकरण:- इसमें प्रयुक्त शन्दों का, जो श्रायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 को 43) के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रव्याय में विया गया है।

भ्रनुसूची

क्रिषि भूमि नं० 185

तारीख: 24-7-84

मोहर :

(जो लागून हो उसे काट बीजिए)

No. A-1814|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter

referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing land No. 185 situated at Agra (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered Registration Act, 1908 (16 of 1908) office of the Registering Officer at Agra in the under registration No. 22763 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Kunwar Pal and Durga Dass (Transferor) Slo. Khayali Ram Rlo. Nagla Haveli, Mouja Jaganpur. Distt. Agra.

(Transferee)

- Alora Sahkari Avas Samiti Sachin Sunil Chandra Garg Ro, Bag Muzaffar Khan, Agra
- 3. Shri|Smt. Trr. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 185. Date 24-7-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदंश नं० ए/1820/83-84/कं एन पी - प्रा. मझे जे० पी० हिलीरी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रश्वात्: 'उम्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षन माधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 से प्रधिक है और जिसकी मं० 23003 है तथा जा असई, भागरा में स्थित है (भीर इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिंग्ट्रीकर्सा अधिकारी के भार्यालय आगरा में, रजिंग्ट्रीकरण प्रिविचम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखड़ प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरको अपेर अन्तरियो (अन्तरियो) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखिन में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रान्तरण में हुई वित्ती प्रायकी बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या भ्रासकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 क 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मे सुविधा के लिए

श्रतः स्रव उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुमरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 य की उपधारों (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. श्रीमिति राम बाई विद्यंशा परनी गनपन लाल पुनिवासी, 10/46 गढ़ ई मन्डी, आगरा, नाजगंज, श्रागरा (अन्तरक)
- 2. मे श्राई. टी. सी. लि., विजिनिया हाऊम 37, चौरगी कलकत्ता (श्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी चन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पुत्रवित सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि, या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी-तर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा प्रधोहनाक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त गब्दां और पदो का, जो प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 कमें परिभाषित है, वही प्रर्थ होंगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रम् सुची:-

प्लाट ने० 888-890 बसई, नाजगंज, श्रागरा

नारीख: 23/7/84

मोहरः

(जो लग्गून हो उसे काटदीजिए)

Ref. No. A-1820 83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act), have reason believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 100,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHE-DULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 19-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Ram Bai W|o. Ganpat Lal R|o 10|46, Gadhai Mandi, Taj Ganj, Agra. (Transferor)
- Mls. I.T.C. Ltd., Virginia House, 37, Chauranghee, Calcutta.

(Transferee)

3. As in above (1) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 888-890,

Basai, Taj Ganj, Agra.

Date: 23-7-1984.

Seal:

Strike off where not applicable.

निर्देश न० ए-1821/83-84: -अत. मुझे जे० पी० हिलारी, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का.43) (जिसे इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ज के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी मं० 55,343,250 तथा जो ग्राम शाहजालपुर शिकोहाबाद में स्थित हैं (और इससे उपायध अनुसूची में अमें अपूर्ण क्य से बांगत है), रिज ट्रोकतो अधिकारी के कार्याच्य अनुसूची में अमें अपूर्ण क्य से बांगत हैं), रिज ट्रोकतो अधिकारी के कार्याच्य शिकोहाबाद में, रिज स्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पत्रा गया पत्रिकत, निम्नालिखत उद्देण्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तिक क्रम से काथत नहीं किया। गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की **बाब**ल, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी भायका किसी धन याअन्य आस्तियों की जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को घारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों अर्थाल .—

- श्री जप्रवीर सिठ व राम जी लाल (अन्तरक) पुत्र बाबू राम यादव नि० मु० कटरा मीरा णिकोहाबाद जिला मैनपुरी
- अर्था , इन्ताम 'सिह, अध्यक्ष (अल्लरिनी) आदर्श सहकारी गृह निमिण सिमिलि नि० कटरा मीरा, णिकोष्टाबाद जि० मैनपुरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्भन के लिए कार्यबाहियां णुरू करता हूं। उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि, मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अविधि जो भी अविधि खाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वार. ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य ब्यक्ति द्वारा अधोहम्पाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण .- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खोती की जमीन

3 ন্ধনেন০ 55/2-20 তিও ৰ 243/1-21 তিও ৰ 250/6-58

ग्राम सह जलपुर तह्० शिकोहिश्वाद जिलामैनपूरी

सारीख : 26-7-84

माहर

[जा लागू न हा उसे काट दीजिए]

Ref. No. A-1821|83-84,—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 55,243,250 situated at Sahjalpur Shekohabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred an dregistered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shikohabad under registration No. 38703 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Jaiveer Singh & Ramji Lal Slo. Babu Ram Yadav Rlo. Moh-Katra Meera Shikohabad Distt-Mainpuri. (Transferor)
- Shri Inam Singh Adyaksha Adarsh Sahkari Grih Nirman Samiti R|o Katra Mcera Shikohabad Mainpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land & Land No. 55|2-20 D. & 243|1-21 D. & 250|6-58, Village Sahjalpur Teh. Shikohabad Distt. Mainpuri.

Date: 26-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

नियंण न० के-386 किएनपी/83-8-1 --अत सुक्षे जे० पी० हीलोरी, आपकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 20,31 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकृत्व के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत्व सं, गैमें वृश्यमान प्रतिकृत के पद्मह प्रतिशत से अधिक है अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरित्री (अन्तरियो) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत, निम्नालियत उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की प्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसे किसी आय गा किसी धन या अन्य अनिसयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुक्थिंग के लिए

अतः अब उन्स अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु .

श्री किशन लाल, पुत्र श्री केसर मल, (अन्तरक)
 126/जी/57, गोविन्द नगर, कानपुर

्र श्री जगजीत सिंह एवं अन्य (अन्तरिती) पुत्रमण सं भुरवक्स सिंह, 12/5, ब्लाक न .2, गाँविन्य नगर, कानभूर

अो/श्रीमती/कृमारी अन्तरिती (तह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्येकाहिया सुरू फरना ह। उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय में 15 दिन की अवधि, या नन्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अन्धि, जो भी अवधि वाद में गमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा ।
- (खा) दम सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीखा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समान्ति में हिराबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वार, क्योहरूशक्षार के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पान्धिकरण - १समे प्रयुक्त मध्यों और पदा का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्ज होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न • 120-G/57-ए गाँथिन्द मनर, कानपुर

वारीख . ४४ न्४४

माहर

[जा लागू न हा उसे काट दाजिए]

Ref. No. K-386|KNP|83-84 :---Whereas, I.J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by tne Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 126-G 57A situated at Govind Nagar, Kanpur, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 20231 dated 10-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent constderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Kishan Lal, Soo Shri Kesarmal, 126G 57, Govind Nagar, Kanpur. (Transferor)
- 2. Shri S. Jagjit Singh and others sons of S. Gurbux Singh, 12|5, Block No. 2, Govind Nagar, Kaupur. (Transferee)
- 3. Shri/Smt. S. Jagjit Singh and others Sons of S. Gurbux Singh 12/5, Block No. 2, Govind Nagar, Kanpur. (Persons (s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 126|G|57-A, Govind Nagar Kanpur

Date: 23-7-84

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देण न के 392/83-84: -अनः मुझे जे. पी हिनौरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी की यह विण्याप करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/~ से अधिक है और जिसकी सैं० 21111ई तथा जो कानपुर स्थित है (और एससे उपावद अनुसूची से और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-10-83 को पूर्वोकत सम्पति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के वृष्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पति का उन्ति बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल, निस्नालेखित उद्देषयों में युका अन्तरण, लिखित में वास्तविक अप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अधीन कर दंते के अम्बरक के वायित्य में कभी करते या उसमें बचते में सुविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐंसे किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) साधनकर

अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तारिकी द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपान में मुचिधा के लिए

अत. अब उक्त आंधिनियम की धारा 269 गर्क अनुगरण में, भे उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधी।, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान .-

- भी चितरजन प्रसाद मगल (अग्रवाल) (अन्सरक)
 पुत्र श्री राम प्रसाद मगल
 नि 128/116, द्वी० ब्लाल, किदवई नगर, कानपुर
- थी नवल किशोर, (अन्तरिती)
 वि. 616/90, किछयाना मोहाल, कानपुर
- 3 श्रां/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) का यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भाव करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप .-
 - (क) यम सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्मति में हिनवछ किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पान विख्यित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रमुक्त मन्दों और पदो का, जो आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अट्याय में विया गया है।

अनुमुची

मकान न . 128/116, बी ब्लाक, कियश ξ नगर, कानपूर

सारीखा . 23-7-81

मोहर

जि लागुन हो उसे काट दी/जिए]

Ref No. K-392|83-84:—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or, (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, $i_{\rm B}$ pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

 Shri Chitranjan Pd. Mangal (Aggarwal) S/o Shri Ram Pd. Mangal, R|o 128|116, D-Block Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- 2. Shri Naval Kishore, R|o 616|90, Kachhiyana Mohal, Kanpur. (Transferce)
- 3. Shri Nayal Kishore, R|o 616|90, Kachhiyana Mohal, Kanpur (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 128/116, B-Block, Kidwai Nagar Kanpur.

Dated: 23-7-84

Seal:

निदेण नं के — 10 2/कानप्र/83 — 84 → — प्रत मुझे जे पी हिलोरी आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- से प्रधिक है प्रीर जिसकी मं० 21143 है तथा जो कानपुर में स्थित है (प्रीर इससे सम्बद्ध उपाबद्ध प्रमुची में ग्रीर पूर्ण क्प से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-11-83 को पूर्वोचन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रूण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत में प्रधिक है प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिकल तिस्तिविधित अधेरया पे युक्त ग्रन्तरण, विजित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किया गायका बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उसने अचने में मुनिधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रात: श्रव उक्त श्राधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में मै उक्त श्रीकिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रामीन :--

- शो चन्द्रिका प्रसाद पुत्र श्री माह्नलाल (अन्तरक) णुक्ल नि स्वाइट हाउम यणावा नगर कानगुर
- 2 टीचर्स हाउसिंग कोग्रापरेटिय (ग्रन्तरिनी) मोसाइटी 77/1-ए, हालसी गेंड कानपुर द्वाराश्री कृपा गंकर सेंगर समिथ
- 3 श्री श्रामर्ता/कृमार्गः.....ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिन केश्रीधभाग में मस्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावन सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्य-वाहियां गुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध से कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति मे हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधात्रस्ताक्षरी क पास विख्ति मे किए जा सकेंगे।
- स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त ग्रन्था और पदों का जो घायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के घट्याय 20क मे परिमाधित है, नहीं अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

भन्सूची

खेती न 61,62.63 एवं 36 स्थित नीवम्ता, पर व जिला कानपूर नारीख: 23-7-84

माध्र.

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

 the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 21143 dated 11-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Chandrika Prasad, So Shri Mohan Lal Shukla, Ro White House, Yasoda Nagar, Kanpur. (Transferor)
- 2. Teacher Housing Co-op. Society Ltd., 77-1-A Halsi Road, Kanpur, Through Sri Kirpa Shankar Sengar, Secy.

(Transferee)

3. Teachers Housing Co-op. Society Ltd., 77|1-A, Halsi Road, Kanpur, Through Sri Kirpa Shanker Sengar, Secy. Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land Nos. 61, 62, 63 & 36 at Naubasta, Parg. & Distt. Kanpur.

Date: 23-7-84

SEAI

Strike off where not applicable,

कानपण, 26 जलाई, 1084

निर्देश न० एस-2/84-85 -- अन मुझे जे०पी० हिलोगी अत्यक्तर अश्विनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त अधिन्यम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अश्विक है और जिसकी स० 4087 है तथा जो प्रा० भूडा मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसन्धी म और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दावरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अश्वीन नारीख 7-10-83 को पूर्वान्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अस्तरित सम्पत्ति को उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अस्तरित सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत के स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पत्रहरू प्रतिभात से अश्विक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (प्रनिर्देश) के बाय ऐसे अर्त्तरण के लिए तथा पाया ग्रा प्रतिकृत निम्ति खित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित मे वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरम से हुई किसी आप की बाबन, श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के वासित्व में कमी करन या उससे अवने में मुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐने किसी याय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रक्षितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए

श्रत: भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में मैं उक्त ग्रिक्षिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के ग्रिधीन, निस्त-लिखित व्यक्तियों प्रथीत:—-

- श्रीमती कलावती बेवा, श्री नत्थू सिह (भ्रन्तरक) नि० मृडा, घा वरौला, जिता गाजियाबाद.
- श्री हरकेश, फाल्य पुत्र संरत्ती (श्रन्तरिती) नि० भूषा, डा० वरौला-प्र० व० ला० वादरी जिला---गाजियाबाव ।

को यह सूचना जारी करने पूर्वाक्त सम्पन्ति के प्रार्थन के लिए कार्य-वाहिया गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी शाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की ध्रविध, या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतंग पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ज्ञारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।
- स्पष्टीकरण '--इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर घधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20क में परिभाषित है बही घर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

खासा न० 37 ग्रा॰ भड़ा जिला गाजियाबाद

तारीख 26-7-84

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट बीजिए)

Kanpur, the 26th July, 1984

Ref. No. M-2/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Village Bhoda (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dadri under registration No. 4087 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transfered (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shrimati Kalawati Bewa Shri Nathu Singh Vill. Bhoda Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

 Shri Harkesh, Kaloo S/o Sarni P.O. Barola Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

3. Shri Harkesh, Kaloo So Sarni Village-Bhoda Post Barola Distt, Ghaziabad. Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 37 Village-Bhoda, Distt, Ghaziabad.

Date: 26-7-84

SEAL

Strike off where not applicable,

तिदेण न० एस-10 ९/ ४४-४५ --यन मुसे जे०पी० हिलोरी, प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान् 'उसन प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान् 'उसन प्रिधिनियम' कहा गया है) की प्रधारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थायर सम्मति जिसका उचिन प्राजार मृन्य 1,00,000/- मे प्रधिक है प्रीर जिसकी म० 7708 है तथा जो संहिजनी में स्थित है (प्रीर इसने उपायद प्रमुगची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बुद्धाना में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-10-83 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के निष् प्रस्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से ऐसे दृष्यमान प्रतिकत के परद्वह प्रतिशत से प्रक्षिक है प्रस्तरकों) भीर प्रकारनी (प्रस्तरियों) के बीच ऐसे भ्रनारण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निखित उद्देश्यों से युक्त भ्रतरण, लिखन में वास्निविक ना से कथित नहीं किया गया है।

- (क) घल्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, आयकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के मधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के 'प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिगाने में सुनिक्षा के लिए

ग्रत श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रन्सरण में, मैं -उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग की उप वारा (1) के श्रधीन, निक्त लिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात —

1 श्री भदन पाल अमरपाल पुत्र सुगत चंद नि॰ शाकधर—सोहजनी, प्र० शिकारपूर

, जिल् बुढाना

(ग्रस्तरक)

2 श्री सोहनवीर सिंह व क्रजपाल सिंह ग्रादि पुत्र सगवा मिह पोस्ट व ग्रा०--सोहजनी

प्० शिकारपुर

ग्रहाना

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के झर्जन के लिए कार्थ-वाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूंचना के राजपन्न मे प्रकाशन की नारीख से 45 बिन की प्रविध, या सत्यस्वत्यी व्यक्तियो पर सूचना की तासील 30 दिल की प्रविध जो भी अविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (आ) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की नारीच के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित्त में किए जा सकीं।

स्पब्टीकरण --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर धिक नियम, 1961 (1961 का 43) क श्रद्धाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रद्धाय म वियागया है।

मन्यूची

स्थित पा०--माहजनी, शिकारपूर, बुहाना

नारी**व** 26-7- 44

मोप्तर:

[जा लागुन हो उसे काट वीजिए]

Rcf. No. M-108/84-85.—Whereas I, J. P. Hillori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to behave that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No....... situated at Sohjani (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buddana under registration No. 7708 dated 5-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Pal, Amar Pal Slo Sugan Chand Rlo Post & Village-Sohjani Buddana-Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferor)

2. Shri Sohan Vir Singh, Barj Pal Singh S/o Sagwa Singh Village & Post-Sohjani Buddana Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village-Sohjani Khatta No. 464 Buddava Muzaffar Nagar

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निवेश नं ० एम-120/84-85: -- प्रातः मुझे, जै०पी० हिलोरी, प्रायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त प्रिविनयम' त्राह्म गया है) की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- से प्रियक है और जिसकी सं० 4129 है तका जो हसनपुर भोवापुर में स्थित है (शौर इससे उपावश्व प्रमुसूची में भौर पूर्ण कप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वावरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे यूथ्यमान प्रतिफल के पन्तरित (धन्तरियों) के वीच ऐसे प्रन्तरण के सम्पत्त तथा पान प्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे यूथ्यमान प्रतिफल के पन्तरियों के वीच ऐसे प्रन्तरण के स्मित्तरक (धन्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरियों) के वीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रन्तरण, निम्निखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसे किसी माय या किसी धन या घन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर भिर्मियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर मिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए

 म्रतः मत उन्त मधिनियम की धार। 269ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के मधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों मर्थात्:——

- श्री महर चंद, खजान पुत्र श्री तेजा
 विस्ता राम, रामिकशन पुत्र श्री नैन सिंह
 मा० हसन पुर भोवापुर (श्रस्तरक)
 पो० लोनी—वादरी— गाजियानाव
- श्री गोपाल दल पुन्न बच्ची राम निवासी -- एफ 12 विजय चीक लक्ष्मी नगर विल्ली -- 82 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्यत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं। उक्त सम्यत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविदि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविद, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पण्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

बाता नं ० 153 बसरा न० 175 ग्रा० हमनपुर भोगापुर

तारीख 26-7-84

मोहर:

(जो लागून हा उसे काट वीजिए)

Ref. No. M-120/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair-market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Hasanpur, Bhawapur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 4129 dated 4-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohar Chand, Khajan Slo Sri Teja, Chinta Ram Slo Sri Nain Singh Rlo Hasanpur, Bhawapur Post-Loni Dodri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

2. Shri Gopal Dutt S|o Bachi Ram R|o F-12, Vijai Chowk Laxmi Nagar Delhi-92

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 153 Khasra No. 175 Village-Hasanpur Bhawapur.

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निदेश मं० एम-1481/83-84:-- अतः मुझे जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्डात् 'उकतं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्डात् 'उकतं अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी मं० 7188 है तथा जो कुतुव-पुर में स्थित है(और इससे उपाइक अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुनन्वशहर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 21-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के जियं अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अक्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है।

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, ध्रामकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के घ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने ग्राउपसे बचने में मुविधा के लिए घौर/या
- (ख) ऐसे किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कें लिए

भतः मब उक्त मधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में, मैं उक्त भिष्ठिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के भिर्धान, निम्निलिखित ध्यक्तियों अर्थान्:—

 श्री मैक्सिह पुझ हेतराम प्रा० कुंतुअपुर पो० प्र० शिकारपुर जिला असल्दशहर

(अम्लरक)

 श्रीमती सतबीरी देवी पस्ती क्षर्यकृ भा० कृतुबपुर, पो०प्र० शिकारपुर जि० क्लन्दशहर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुक्त करता है। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रदाहरूताकारों के पास लिखिन में किए जा सकीगे।

स्पप्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्क्डों भीर पत्रों का, जो भायकर मिध-नियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टयाय 20क मे परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

मनुसूची,

स्थित बाता नं ० 286 कुतुवपुर, प्रो० प्र० शिकारपुर, जिला बुलन्वशहुर

तारीख: 26-7-84

माहर

(जा लागून हाउसे काट दीजिए)

Ref No. M-1481 83-84 :--- Whereas I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having o fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Kutubpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar under registration No. 7188 dated 21-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by

the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mado Singh S|o Hait Ram R|o Kutubpur, Post-Sikapur Distt. Bulandshahar. (Transferor)
- Shrimati Sat Bir Devi woo Khchado Singh Roo Kutubpur PO Sikarpur, Bulandshahar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khatta No. 286 Kutubpur Bulandshahar.

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निवेश न० एम 1482/83-81 — मत. मुझें जे०पी० हिलांगी, म्रायकर मिर्मियम, 1961 (1961 पा 43) (जिसे इसके परनात् 'उक्त मिर्मिन महा गया हैं) की धारा 269ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मानि, जिसका उनित बाजार मून्य 1,00,000 से मधिक हैं भीर जिसकी स० 7101 हैं तथा जो मारगाबाद में स्थित हैं (भीर इससे उपायद मनुसूनी में मीर पूर्ण रूप से विश्वास में स्थित हैं (भीर इससे उपायद मनुसूनी में मीर पूर्ण रूप से विश्वास में, रिजस्ट्रीकरण मधितियम, 1908 (1908 का 16) के माधीन तारीख 17-9-83 को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण यह है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिग्रस से मधिक हैं मन्तरक (अन्तरक) भीर प्रन्तरिती (अन्तरियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों ने युक्त मन्तरण, लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किमी आय की वाजन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए फ्रीर/या

(च) ऐसे किसी भाग मा किसी धन या श्रन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1:32 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिति है। या श्रक्ट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

मतः ग्रम उक्त श्रीविनियम की धारा 269म के श्रनुनरम में, मैं उक्त श्रीधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के ग्रजीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों भर्यात —

श्री प्रथीं सिंह पुत्र लालणी

 नि०---श्रीरगाबाद
 प्र०---बरन-पा० बरन
 जिला---ब्लिव्हर
 प्रन्तरक)

 श्री फीरराम पुत्र भिक्कत सिह नि० गुलावटी खुदं--प्र० ग्रगीना पो० गुठावानी--जिला ृबुल-दणहर (ग्रन्तरिती)

को गह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्य-वाहिय शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध मे कार्य भी ग्राक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या नर्यम्बन्धी ध्यक्तिया पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद संसमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी ध्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो घीर पदो का, जो आयकर मिश्र-नियम, 1961 (1961 का 43) के प्रव्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होंगा जो उस ग्रव्याय मे वियागया है।

ग्रन् मूची

मा राजी न० 1189--1192--1193 माराजार जिया बुलस्दसहर

तारीख . 26-7-84

माहर:

(जो लागू न हा उसे काट वीजिए)

Ref. No. M-1482/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. I,00,000 and bearing No...... situated at Orangabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar under registration No. 7101 dated 17-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Panthi Singh So Lel Ji Ro Orangabad (Post-Baran Distt, Bulandshahar),

(Transferor)

2. Shri Fary Ram S/o Bhikan Singh R/o Gulawithi Khu.d (Pargana) Agota Post-Guthawali (Distt. Bulandshahar).

(Transferce)

3. Shri Fary Ram Soo Bhikan Singh Roo Gulawithi Khurd (Pargana) Agota Post-Guthawali (Distt. Bulandshahar).

[person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1189 Orangabad Bulandshahar

Dated: 26-7-84

Seal :

Strike off where not applicable.

निदेश नं ० एम 1483/83-84:— घटा: मुझे जे ०पी० हिलोरी धायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त प्रियिन्समं कहा गया हैं) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभवास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से प्रधिक है और जिसकी मं० 2484 है तथा जो ग्राम सिकेडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिवार क्रीयन्ती ग्रीधिकारी के कार्यान्य गढ़ में, रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 17-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुक्षे यह विष्णास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उनक दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रार्थिक है प्रत्यरक (भारति) और श्रन्तरिती (भ्रन्तिविद्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देषयों से युक्त प्रत्यरण, निक्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबन, भ्रायकर धरिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भ्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रान/या
- (ख) ऐसे किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या ध्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए

मतः ग्रय गुक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग की उप आरा (1) के अओन, निम्नानिखन व्यक्तियो ग्रथित .--

- श्री योगेश कुमार, दीपक, अजय मंजय पुत्र—राम मिह, निवासी, ग्रा० भिकैंडा मुरादाबाद प्र० पाँ० गइ, जि० गाजियाबाद (अन्तरक)
- श्री गफीक व मु० खलील पुत्र मु० तकी निवासी——चाहणोर हापुड़ प्र०पो० हापुड़, जि० गाजियबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंक के लिए कार्य-वाहियां शरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन की अविधि, या तत्म स्वरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रान्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर प्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं श्रयं हागा जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

ग्राम--सिकैडा मुराबाबाद प्र०१०त० गडु जि० गाजियाबाद ब० न० 383

नारीख: 26-7-84,

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट बीजिए)

Ref. No. M-1483|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. situated at Khasra No. 383 Sikaida (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) u|s. 269AB of in the office of the Registering Officer at Garh under registration No. 2484 dated 17-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Yogesh Kumar, Depak, Ajai Sanja Slo Ram Singh Rlo Sikaida Muradabad Post Garh, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

- Shri Saffic Mohamad Khalil S|₀ Moh. Taki R|₀ Chahsore Hapur, Post Hapur, Distt. Ghaziabad. (Transferec)
- 3. Shri Saffic Mohamad Khalil So Moh. Taki Ro Chahsore Hapur, Post Hapur, Distt. Ghaziabad. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 383 Village Sikaida Muradabad Post Garh, Distt. Ghaziabad.

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निवेण नं ० एम-1507/83-84--अतः भुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 260% के अधीन राक्षस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है किस्पातर संगत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक हैं और जिसका संग् 7458 है तथा जो 34 इंदर-रोड देहरादून में स्थित हैं(और इसने उगायद न्तृत्रत्री में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजैस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यात्र मुत्रत्री में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजैस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यात्र मुवाना मेरठ में, रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190% जा 16) के अधीन नारीख 26-9-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुध्य में का के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई हैं और भूने यह विख्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृध्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निल्लिन उद्देण्यों से युक्त अन्तरण, लिखित से वास्तिधक हूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बाबन, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए और/
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में मुसिधा के लिए

अत. अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थान :---

- 1 श्रीमनी वृजिकशोरी वधावर (अस्तरक)
- पत्नी स्वर्गीय, ए० एल० वधावर नि०--34 इदर रीड--वेहराष्ट्रम
- श्री मामक भव खब्जा (अन्तरिती)
 पुन्न स्व० श्री जाँ० डी० खंड्जा अ
 श्रीमती विजय लक्ष्मी खब्जा
 मि०---110/बी सिविम लाईन--बरेली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां गुरू करना हूं। उक्त सपिल के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की लारीज से 4.5 दिन की अवधि, या नत्सकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे '

स्पर्ध्वाकरण इसमं प्रयुक्त कब्बो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

गली न० 34 वंदर रं। इ, देहरादूम

ताराख . 26-7-51

मोहर:

जा लागुन हैं। उसे काट दीजिए।

Ref No. M-1507 83-84 :--- Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at 34 Inder Road Dehradhun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) u₁s 269 AB of in the office of the Registering Officer at Mawana Meerut under registration No. 7458 dated 26-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer,! as agreed to between the transferor(s) and feree(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shrimati Brij Kishori Badhwar w|o Late Shri A. L. Badhwar R|o 34 Inder Road, Dehradun (Transferor)
- Shri Dr. Nanak Chand Khanduja Slo Late Shri G. D. Khanduja and Smt. Vijai Laxmi Khanduja Rlo 110|B, Civil Lines Bareily. (Transferee)
- Shri Dr. Nanak Chand Khanduja Slo Late Shri G. D. Khanduja and Smt. Vijai I axmi Khanduja Rlo 110 B, Cill Lines Bareily. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

- or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 34, Inder Road Dehradun.

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निदेश नं ० एम-1550/83-84.—अनः मुझे जें० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम तकहा गया है) की धारा 269ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिन, जिसका उचिन बाजार स्त्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी स० 1404 है तथा जो प्लॉट 10 गढ स्० रोड मेरट मे स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची से और पूर्ण क्य से विश्वास 1908 (1908 का 16) के अदीन नारीख 14-10-83 को पूर्वोक्त सपिन के उचिन बाजार स्त्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सपिन का उलिन बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरिक्यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उहेण्यो से गवन अन्तरण निखित मे वास्तविक कप से विश्वा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 , (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक में दायित्व में कसी करने या उसने बचने में मुत्रिधा के लिए और/या -
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब युनन अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तियों अर्थात्:——

- 1 श्री ए० पी० भर्मा पुत्र स्व० प० राजा राम शर्मा (अंतरक) मैनेजर खादी ग्राम ग्रह्मोग भवन.. रिगल बिल्डिंग कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली,
- 2. श्रीमती डा॰ बीना रानी ग्प्ता (अन्तरिती) C/o डा॰ बिनीव कुमार गुप्ता, 215 सीती गण बेगम बिज रोड, मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करना हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप .---

 (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 विक की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(सा) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की नारीका को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मे हिनवद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा अधाहरूनाक्षरी के पाम लिखिन मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसम प्रयुक्त उणब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थित प्लाट ना 10 शहमान्ती स्थार रीव, मेरठ ।

ताराखाः 26-7-84

मोहर:

जो लागून हो उसे काट वैं।जिए ।

Ref. No. M-1550|83-84;—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hercinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at No. 4292 Garh Mukteswar Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) u|s 269 AB of in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 1404 dated 14-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Anand Prakash Sharma Soo I ate Pandit Raja Ram Sharma Village Silp A-1 Baba Kharak Singh Marg, Delhi. (Transferor)
- 2. Shrimati Dr. Beena Rani Gupta C/o Dr. Vinod Kumar Gupta, 215, Soti Gong Begam Brij Road, Meerut. (Transferce)

3. Shrimati Dr. Beena Rani Gupta Clo Dr. Vinod Kumar Gupta 215, Soti Gang Begam Brij Road, Meerut. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, Garh Muktcshwar Road, Mecrut.

Dato: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

निर्देण नं ० एम-1551/83-84--अन मुझे जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्णान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सपत्ति, जिसका उचित बार्जार मृत्य 25.000/- से अधिक है और जिसकी सं० 1403 है तथा जो 215 सोती गंज भेरठ में रिथल है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन नारील 14-10-83 को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार सूत्य से कम के दूर्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सस्पत्ति का उचित बाजार सूत्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त अन्तरण, निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण मे हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने में मुखिधा के लिए और या
- (भ्र) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिशने में मुविधा के लिए

अत अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुभरण में, **गैं** उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन क्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्री डा० बी० फैं० गुप्ता (अन्सरिती) 2।5 मोती गज बेगम क्रिज रोड, मेरठ

- 2 श्री डा० ए० पी० सर्मा पुत्र स्व० श्री राजा राम सर्मा (अस्तरक) नि०—प्रामिशित्य ए-। बाबा खडक सिह् मार्ग, नई दिल्ली, को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करना है। उक्त मंपनि के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप:--
- (क) इस सूचना के राजियक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिन के हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं 10, गहम्स्तेश्वर रोड, मेरठ

तारीख: 26-7-84

File No. 1551|83-84 :--Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 4292 Garh Road situated at Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) uls. 269 AB of in the office of the Registering Officer at Meerut the said Actoread with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 1403 dated 14-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice 570 GI/84 -4

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Anand Prakash Sharma So Late Shri Raja Ram Sharma Rlo Gram Shilp A-1, Baba Kharak Singh Marg, Delhi. (Transferor).
- Shri Dr. Vinod Kumar Gupta R|o 215, Soti Gang Begum Bridge Road, Mecrut. (Transferce)
- 3. Shri Dr. V. K. Gupta (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 10, Garh Mukteshwar Road, Meerut.

Date: 26-7-84

Seal:

Strike off where not applicable.

कानपुर, 24 जुलाई, 1984

निदेण नं एम-1552/83/84.— प्रतः मुझे जै० पी० हिलोंगे आयक्षर प्रिष्ठित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्यात् 'उक्त प्रिक्तिन्यम' कहा गया है,) की धारा 269प्र के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मपिन जिसका उचित बाजार मृत्य, 100000/- में प्रधिक है और जिसकी सं० 1174 है तथा ओ मधुरा में स्थित है (और इसमें उपावड प्रनुसूची में और पूर्ण त्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यात्रय दिल्ली में रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृत्री यह विश्वाभ करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में एमे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिणत में प्रधिक है प्रत्यक्त (प्रत्यक्तों) और प्रन्तरितों (प्रतिरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रत्यण लिखित में वास्त्रविक रूप में क्यित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिश्चा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐंमे किसी ग्राय या किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

म्राधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गयाचा या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत. मत उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के मनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो प्रयांतु ----

- सेट राधा कृष्ण ममोरियल चैरीटेबुल (धंतरक)
 इरट द्वारा श्री महावीर प्रशाद पोहार,
 भमतासेर गिल मार्ग, नई दिल्ली
- 2 श्री राजेश कुमार एवं सुरेश चन्द्र (भतरिती) पुत्र श्री गोविन्व राम नि० गली मेंच चौक, मथ्रा
- 3. श्री श्रीमती कुमारी ग्रंतरिती (वह व्यक्ति, जिस के ग्रंतिशोग में सपनि है)

को यह सूचना अरिंग करके पूर्वीका सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हू। उनत समिन के प्रजीत के सबध मे कोई भी प्राक्षीप —

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सबधी व्यक्तियो प्रर सूचना की नामील 30 की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (स्त्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन भी तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हतबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताभरों के पास लिजिन में शिए जा सकेंगे।

स्पारीकरण - इसमें प्रयुक्त गाउदों भीर पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में पिमाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>ग्रनुन</u>्ची

प्लाट न० 913 मोहल्ला गाकरन नाथ मथुरा (यू० पी०)

तारीख . 14-7-84

मोहर

[भी लाग न हा उमे काट दीजिए]

Kanpur, the 24th July, 1984

K-402/KNP/83-84.-Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. 913 situated at Moh Gokran Nath, Mathura (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No 1434 dated 12-10-83 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Seth Radha Krishna Memorial Charitable Trust, Through Shri Mahavir Prasad Poddar, Amrita Sher Gill Marg, New Delhi. (Transferor)
- 2. Shri Rajesh Kumar and Suresh Chandra, Sons of Sri Govind Ram, R'o Gali Megha Chowk, Mathura (Transferce).
- 3. Shri|Smt. —do- Transferce (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the atoresard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULF

Plot No. 913 at Mohalla Gokram Nath, Mathura (U.P.)

Date: 24|7|84

SEAL

*Strike off where not applicable

निदंश न० एम-1605/53/81—शत मुझे जे०पी० हिलारी धायवर धिनियम 1961 (1961 वा 43) (जिप इसके पश्चत् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के प्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उच्चित वाजार

मूल्य 1,00,000/- से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 9097 है तथा जो रंगाना में स्थित है (भीर इसमे अपाइद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन तारीख 13-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रीक है भन्तरक (भन्तरको) और अन्तरिती (अंतरियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर
- (श्व) ऐसे किसी प्राय या फिसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रातः भ्रव युक्त मिसिनियम की भ्रारा 269ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त मिसिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयोतः :--

- 1. श्री जुग मन्यर वास मूल मंकर लाख (भ्रतरक) निब्टीव 5--ग्रीन पार्क एक्सटेंग्रन, नई दिल्ली-1
- श्री श्रोम प्रकाश व राज पाल सिंह के (अंतरिती)
 पुत्र करम सिंह नि०-किशन पुर जिराल
 डा०-खास जि० मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कीई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीखासे 45 दिन की प्रविध, या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की प्रविध, जो भी श्रप्रधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का जो भायकर श्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) के भड़्याय 20क में परिमाणित हैं, वही शर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुमुबी

ग्रा०---रंगाना र्वमा नं० 70 कैराना-जि०-- म्० नगर।

तारीख: 🚣 ७/ ७/ ८ १

मोहर:

[जो लागुन हैं। उसे बाट दीजिए]

M-1608|83-84.—Where as, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair

exceeding Rs. 1.00.000 and ' market value bearing No. 9097 situated at Rangana (and more fully described in the schedule below) been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 9097 dated 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Jugminder Das Slo Shanker Lal Rle T. S. Grain Park Extension New Delhi-1. (Transferor).
- 2. Shri Om Prakash, Rai Pal Singh Slo Karam Singh, Rlo Kishan Pura Biral, Post-Khas-Bagpat Distt. Meerut. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day_s from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Village—Rangana Khatta No. 70 Distt. Muzaffar Nagar.

Date: 26-7-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेस ने० एम--1624/83-84--प्रतः मुझे जे० पी० हिलोरी, मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'ज्वस प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपिन जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- से प्रधिक है और जिसकी सं. 22513 है तथा जो 213 गांधीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ती में भीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 19-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्न बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पिन्नरित्र का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है प्रस्तरक (अन्तरिक्त) भीर घरनरित्र (अन्तरित्रयां) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्यों से युक्त प्रन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की आबत, श्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिशीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुनिश्रा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भ्रस्य भ्राहितयों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) य भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भ्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

मतः मत्र युक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों प्रधीन:—

- 1. श्री देवराज महाजन पुत्र श्री विशम्भर दास महाजन (प्रांतरक) निर्व और डीर एव फिलैंटस निर्व 28 शेख सराय, मालबीय मगर, नई दिल्ली ।
- 2. श्री सुभाष कुमार गीयल पुत्र (झन्तरिती)
 एनं पी गोयल (निवासी 213 गोधी नगर गाजियाबाद)
 की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मूसंपत्ति के झजैन के लिए
 कार्यवाहियां मुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के झजैन के संबंध में
 कोई भी श्राक्षेप:---
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की भविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीखा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।
- ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के घट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भर्म होगा जो उस घट्याय में विधा गया है।

प्रन्स्ची '

भवन नं॰ 213 स्थित गांधी नगर गाजियाबाद

ता**रीख**: 26-7-1984

मोहरः

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M-1624/83-84.—Whereas, I, J. Hilori. being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at H. No. 2/3 Ghandhi Nagar . (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 22513 dated 19-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Deo Raj Mahajan So Shri Visambhar Das Mahajan Ro. D.D.A. Flat No. 28, Sakh Saraya Malviya Nagar, New Delhi. (Transferor)
- Shri Subhash Kumar Goyal S|o N. P. Goyal 213 H. No. Ghandhi Nagar, Ghaziabad. (Transferee).
- 3. Shri|Smt. —do— (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 213 Ghandhi Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-7-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश न० एम-1641/83-84 .--अन. मुझे जे०पी० हिलारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्णाल् 'उक्त अधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- में अधिक है और जिसकी सं० 8758 है तथा जो सैव-पुर गा०बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन 22-11-83 तारीख को पूर्वकित संग्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच अपेस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निर्वित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उसमें सचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:—

- श्री फतेह मिह पुत्र भीरसिह (अन्तरक)
 निवासी—-सैदपुर, हुसेनपुर, डीलना, जलालाबाद
 पो०प्र०—-हापुर्--जि० गाजियाबाद
- श्री ओमबीर, वीरपाल पुत्र गण श्री नवल सिंह आदि (अन्तरिती)
 निवासी--मैदपुर हुसेनपुर डीलना, जलालाबाद
 पो०प्र०--हापुड़,--जि०--गाजियाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां गुरू करता हैं। उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्भष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्च होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं 229 स्थित सैवपुर, हुसेनपुर डीलना जलालाबाद--हापुर,

जि०: गाजियाबाद

तारीख: 26-7-84

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दी जिए)

M-1641/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8758 situated at Hapur, Syadpur, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered "under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under Registeration No. 8758, dated 22-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Fateh Singh S|o Meer Singh, R|o Sayadpur, Husainpur Delna, Jalalabad Post— Hapur, District—Ghaziabad. (Transferor)
- 2. Shri Jaiparakash, Jaipal, Ompal Slo Shri Nawal Singh Rlo Sayadpur, Husainpur, Delna, Jalalabad Post—Hapur, District—Ghaziabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 229 Sayadpur, Husainpur Delna Post—Jalalabad, District—Ghaziabad.

Date: 26-7-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निवेश न॰ एम॰ 1660/83-84:--अत. मुझे जै॰पी॰ हिसोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'तमन अधि-नियम' कहा गया है। की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिक री को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ से अधिक है और जिसकी संव 1435 है तथा जो सिनीला के पून में स्थित है(और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-83 को पूर्वीवत सभ्यति के उचित बाजार मृहय से कम के दश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृष्टय-मान प्रतिकलं से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के भीच ऐसे अन्तरण के क्षिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यो से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या 'उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसे किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

सत: अस उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

 श्री अरेश कुमार धजाज पृत्र गिरधारी लाल (अन्तरक) अमत बनस्पति क०नि० गाजियाबाद ।

- मैनेजिंग डॉईरेक्टर के०के० साध्म (अन्तरिती) कै०के० कस्सटुकशस्स (इंडिया) प्रा०लि० एम० 275 ग्रेटर कैलाम पार्ट 2, नई विल्ली ।
- 3. श्री/श्रीमती/कुमाशी (यह व्यक्ति, जिसक अधिभाग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए क'र्य-वाहिया शह करता है। उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध, या तत्संम्यन्धी व्यक्तियो पर सूचना की प्रामील 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में यमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपक्रितयों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (**खा) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की मारीया के 45 दिन** के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अध्यकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क मे परिभाषित है. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन् सूची

खा० मं० 7.8/1, 10/1, 11/1, सिनौला केन्द्रिय दून दहरादून ।

नारीखा: 26-7-84

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

M-1660|83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1435 situated at Cinola Dehara Dun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun under Registration No. 1435 dated 28-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate p occedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Naresh Kumar Bajaj Sjo Girdhari Lal, Amrit Banaspati Ltd. Ghaziabad. (Transferor)
- Managing Director K. K. Soin, K. K. Constructions (India) (P.) Ltd. M-275 Greater Kailash Part, 2, New Delhi. (Transferee)
- 3. Shri|Smt. —do—
 |Person(s) in occupation
 of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Khasra No. 7, 8|1, 10|1, 11|1 Cinolakendria Dun, Dehradun.

Date · 26-7-84.

SEAL:

'Strike off where not applicable.

निदेण न० एम-1524/83-84 — अत मुझ जे०पी० हिलांगी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' फहा गया है) की धारा 260ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 1 00 000/- से अधिक है और जिसकी स० 1313 है सथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इसके उपायक अनुसची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय सिकल्झाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 1-10-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के शिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास वरने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के रिवह की प्रवित्त से अधिक है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यो से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कभी करने या उसमें विखने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत अब उन्त अिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269ग की उप घारा (1) के अधीन, निम्न-लिखिन व्यक्तियो अर्थीन् ——

- 1 श्री जाहारिया, पुत्र श्री बुद्ध, नि० ग्राम > हाजीपुर, पी० बरौला जि० गाजिसाबाद (अन्तरक)
- 2 श्री हरीगम, पुत श्री हुन्नुम सिंह नि० ग्राम-हात्रीपुर, पर० त तह० दावरी, जिला—-गातियाबाद (अल्लरिनी)
- अो/श्रोमनो/कृतारो अन्तरितो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हू। उक्न स्पिन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र --

- (क) इस सूबना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भो अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरसाक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमे प्रयुक्त णब्दो और पदा का जो आयकर अधि-तियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विमा गया है।

अनुसुची

स्रोती त० 374 वाके ग्राम-हाजीपुर, परगना-दादरी, जि०-गाजिया-वार।

नारीख 2 **1-7-8**-1

मोहर

(जो लागून हा उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1524|83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 374 situated at Vill. Hazipur, Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ghaziabad under registration 4313 dated 1-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate p oceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Jahariya, So Shri Budhoo Ro Vill— Hazipur, Post—Varaula, District Ghaziabad. (Transferor).
- 2. Shri Hari Ram, So Sri Hukam Singh, Ro Vill—Hazipur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad. ((Transferce).

Shri|Smt. —do—

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 374, at Village Hazipur. Pargana—Dadri, Distt. Ghaziabad,

Date: 24-7-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निवेश नं एम-1666/83-84:—अतः मुझे, जे पी हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परवात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिव है और जिसकी सं 25536/83 है सथा जो गाजियाबाव से स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची से और पूर्ण क्ष्म से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखन उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचत में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए धा, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्शैनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् '--

- 1. श्री मंथन कुमार हितैषी, पृत्र श्री गोविन्द सिंह हितैषी, म० न० 425, बदरपुर दिल्ली (अन्तरक)
 - 2. भरत मिह, पुत्र श्री कृष्ण, निरु ग्राम-हरतौनी, जिला बुलस्दणहर (अन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में गम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों से से किसी ध्यक्ति के हारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ज्ञारा अबोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सबेगे !

स्पार्टीकरण -- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20कु में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। अनुसूची

प्लाट २० आर-9/170, स्थित र जनगर, गाजियाबाद ।

तारीख . 24-7-84

मोहर :

(ओ लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1666/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R-9/170 situated at Rajnagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-Ghaziabad under registration tering Officer at for an apparent No. 25536 dated 31-10-83 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Ac., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shii Manthan Kumar Hitashi So. Shri Govind Singh Hitashi, H. No. 425, Badarpur, Delhi. (Transferor).
- 2. Shri Bharat Singh, Soo Sri Krishna, Ro Vill. Tartauli, Distt. Bulandshahar.

Transferee

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-9|170, Raj Nagar, Ghaziabad.

Date: 24-7-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निवेश न० एस-1610/83-84:—अतः मुझे भे० पी० हिलोगी, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान् 'उन्नन अधिनियम कहा गया है) की धारा 26-ज्ञ के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 21900 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुरूची में और पूर्ण क्य से घणित है), रिजर्ड़ीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजर्ड़ीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-10-83 का पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित वाजोर, मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्थोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्मह प्रतिशत से अधिक है अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और /या
- (का) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य शास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन -कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्स अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री वी० एन० काक, पुत्र श्री किशन नाथ काक, नि० 412/1, सिविस लाइन्स, रुड़की, जि. सहारनपुर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला देवी, पत्नी श्री राभेश्वरंदपाल, नि० 125, न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद । (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सृचना की तासीस

30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।

- (ख) इस सूधना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी खाकी 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों का और पदों का, जो आयकर अधिनियम, '1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्7्ची :---

सकान नं० जें-62, स्थित पटेल नगर प्रथम गाजियाबाद ।

तारीख: 21-7-84

मोहर

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1610/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Component Authority authorised by the Central Government in this behalf under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. J-62, situated at Patel Nagar, GBD (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21900 dated 7-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the

said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate p oceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri V. N. Kak, So. Sri Vishan Nath Kak, Ro. 412, Civil LinesL, Roorkee, District Saharanpur. (Transferor).
- Smt. Vimla Devi wo Shri Rameshwar Dayal, Ro 125, New Gandhi Nagar, Ghaziabad. (Transferee).
- 3. Shri|Smt. —do— (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in w.iting to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. J-62, at Patel Nagar District Ghaziabad.

Date: 21-7-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

J. P. HILORI, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, (Acquisition Range), Kanpur.